

मोक्ष माने मुक्त होना।

स्वों से, विकारों से, बन्धनों से
मुक्त होना ही मोक्ष है।
मोक्ष आत्मा की अनन्त-आनन्दमय
अतीन्द्रिय दशा है। अबाधित
अनन्त-आनन्दमय होने से

मोक्ष ही परमकल्याणक स्वरूप है।

इस मोक्ष की प्राप्ति की विधि के
प्रदर्शन का ही
यह महोत्सव है और
इस मोक्ष प्राप्ति के कारण ही
गर्भ, जन्म, तप आदि
कल्याणस्वरूप माने गये हैं।



गाँव सांझी के लाभार्थी



पिताश्री मंगलचंदजी पाबुदेवी कुन्दनमलजी हिराणी के दिव्याशीष से
एवं मातुश्री फैसीदेवी मंगलचंदजी के आशीर्वाद से
पुत्र-पुत्रवधू : दिनराकुमार-चंद्रादेवी, महावीरकुमार-मंजुदेवी, गजराज-मीनादेवी
पौत्र-पौत्रवधू : मोंटूकुमार-भय्या, रिषभकुमार-वैशाली, नितेश, धुवराज
पौत्री : अर्पिता, रिशिता, रिधिमा
बेटा-पोता-पड़पोता शा. मंगलचंदजी कुंदनमलजी हिराणी परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : श्रीमती फैसीदेवी मंगलचंदजी हिराणी, चेन्नई - मुंबई - रेवतड़ा

TIME
2:30 PM
ONWARDS
VENUE
AYODHYA
NAGARI

श्री महावीर चंचकल्याणक पूजा के लाभार्थी



पुण्यसमाप्त गुरुदेवश्री जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा. की कृपा से
एवं दादीश्री कंकूदेवी हस्तीमलजी छोगाजी व पिताश्री भरुलालजी हस्तीमलजी
हिराणी के दिव्याशीष से तथा मातुश्री भागवतीदेवी भरुलालजी हिराणी के आशीर्वाद से
शा. देवीचन्द, कान्तिराल, विनोदकुमार, मुकेशकुमार, आशीषकुमार, राहुलकुमार
बेटा-पोता शा. हस्तीमलजी छोगाजी हिराणी परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : ट्रस्ट मेटल, चेन्नई

TIME
2:00 PM
ONWARDS
VENUE
ARADHANA
BHAVAN

अंगरचना के लाभार्थी



पिताश्री कानराजजी साँकलचंदजी वेदमुया के दिव्याशीष से एवं मातुश्री पुष्पादेवी कानराजजी वेदमुया के आशीर्वाद से
शा. बाबुलाल, अशोककुमार, मदनलाल, महावीरचन्द, निर्मलकुमार, सजय, नरेश. के, नरेश. बी,
यशवन्त, राकेश, अभिषेक, रिशिक, आयुष, मन्नत, भिस, वंश, सार्थक, हिरान्या, निवान, अविक्
बेटा-पोता-पड़पोता शा. साँकलचंदजी गोरानी वेदमुया परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : अशोक ट्रेडिंग कंपनी, बंगलुरु

प्रभु भक्ति एवं रोशनी के लाभार्थी



पिताश्री गौतमचंदजी अमीचंदजी गोरानी वेदमुया के दिव्याशीष एवं मातुश्री वसंतीदेवी गौतमचंदजी वेदमुया के आशीर्वाद से
मातुश्री वसंतीदेवी गौतमचंदजी वेदमुया के आशीर्वाद से
शा. भरतकुमार, दिव्येशकुमार, जियान, भविश
बेटा-पोता शा. अमीचंदजी गोरानी वेदमुया परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : जय गार्मेन्ट, पुडुचेरी

रात्रि भक्ति

रात्रि भक्ति में दीक्षा कल्याणक वरखोड़े के चढावे बोले जाएंगे।